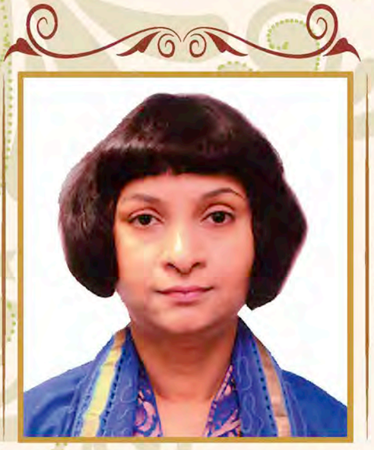

प्रो. एम.वी. पदमा श्रीवास्तव

Prof. M.V. Padma Srivastava



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

प्रो. एम.वी. पदमा श्रीवास्तव

प्रो. एम.वी. पदमा श्रीवास्तव अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली में प्रोफेसर एवं तंत्रिका विज्ञान विभाग की यूनिट–।। की अध्यक्षा हैं। आपको, पूरे भारत तथा विश्व में व्यापक रूप से, भारत में आघात (स्ट्रोक) देखभाल सेवाओं में सुधार लाने की मुहिम में आपकी भूमिका तथा आघात (स्ट्रोक) के बाद स्टेम–सेल/रेस्टोरेटिव/पुनर्वासी उपचारों पर किए गए पथ प्रदर्शकीय कार्य के लिए जाना जाता है।

2. आपका जन्म 7 मार्च 1963 को हुआ। आपने वर्ष 1985 में ओस्मानिया युनिवर्सिटी से एम. बी. बी. एस की उपाधि, वर्ष 1990 में मेडिसिन में एम डी तथा वर्ष 1993 में एम्स, नई दिल्ली से तंत्रिका विज्ञान में डी एम की उपाधि प्राप्त की। आपने वर्ष 1993 में, एम्स के तंत्रिका विज्ञान विभाग में संकाय के रूप में कार्य करना आरंभ किया। आपने एम्स में एक्यूट इस्चेमिक स्ट्रोक प्रोग्राम के लिए हाईपर एक्यूट थ्रम्बोलिसिस की स्थापना की। 'एम्स' ऐसा पहला सार्वजनिक क्षेत्र का अस्पताल है जिसने इस कार्यक्रम की शुरूआत की। आप सक्रियता पूर्वक स्ट्रोक यूनिट, स्ट्रोक क्लिनिक तथा व्यापक स्ट्रोक प्रोग्राम से जुड़ी हुई हैं। आप विकासशील देशों में, एक्यूट इस्चेमिक स्ट्रोक में सुरक्षित थ्रम्बोलिसिस के इम्प्लीमेंटेशन की एस आई टी एस दृ न्यू रजिस्ट्री की राष्ट्रीय समन्वयक, दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों की एस आई टी एस एस ई ए आर एस की राष्ट्रीय समन्वयक, कार्डियो वैस्कुलर डिसार्डर्स, डाईबिटीज तथा स्ट्रोक के निवारणार्थ राष्ट्रीय आयोग की सदस्य और असंक्रामक रोगों के राष्ट्रीय आयोग की सदस्य हैं। आप इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन के कार्यकारी बोर्ड में शामिल हैं तथा आई एस ए की पूर्व अध्यक्षा भी रही हैं।

3. इंडिया स्ट्रोक एसोसिएशन की अध्यक्षा के रूप में आपने अधिदेश (मैन्डेट) की रूपरेखा तैयार की और इसे अधिनियमित कराया तथा हमारी सोसायटी में स्ट्रोक–बर्डेनय घटना की उम्र (युवावस्था में स्ट्रोक) के संबंध में "यूनिक टु इंडिया" क्या हैय जोखिम घटकय गर्भावस्था में स्ट्रोकय द ऐथेरो स्कलीरोटिक पैटर्नय आघात मृत्युदर य परिणाम और पुनरावृत्ति तथा भारतीय अवसंरचना एवं आर्थिक स्थिति को देखते हुए सर्वोत्तम रूप से अनुकूल उपचार एवं निवारण सहित सबसे अधिक महत्वपूर्ण प्रबंधन रणनीतियों से संबंधित अत्यधिक महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान खोजा। आपने हिमाचल प्रदेश राज्य के लिए स्ट्रोक प्रोग्राम की परामर्शदात्री के रूप में कार्य किया। आपने राज्य की एन सी डी की सहायता से हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान में फिजीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए। स्मार्ट फोन तथा ह्वाट्सऐप का प्रयोग करके आप हिमाचल प्रदेश में सफलतापूर्वक "टेली स्ट्रोक" सेवाएं शुरू करने में कामयाब रहीं जिसमें ज़िला स्तर के अस्पतालों में प्रशिक्षित फिजीशियनों द्वारा रोगियों को मुफ्त एक्यूट स्ट्रोक थ्रम्बोलिसिस प्रदान किया जा रहा है। एन सी डी तथा एन पी सी डी सी एस, भारत सरकार की सहायता से भारत के अन्य राज्यों में इसी प्रकार के साहसिक कार्य शुरू होने के विभिन्न चरणों में हैं।

4. मल्टिपल स्क्लेरोसिस पर हालिया अंक सहित कई पुस्तकों के लेखन कार्य के अलावा आपने नामचीन समीक्षित उच्च स्तरीय पत्रिकाओं में 160 से अधिक पेपर्स प्रकाशित किए। आपने स्ट्रोक से पीड़ित रोगियों में स्टेम–सेल के क्षेत्र में पथ प्रदर्शकीय कार्य किया है। आप पिछले 12 वर्षों से लेह, लद्दाख के जिला अस्पताल में तंत्रिका विज्ञान की आउट पेशेंट सेवाएं संचालित कर रही है।

5. आपको अनेक पुरस्कार, सम्मान एवं मानद उपाधियां प्राप्त हुईं। आपको वर्ष 1998–1999 में तंत्रिका पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी द्वारा "विमला विरमानी ओरेशॅन" पुरस्कार, वर्ष 2006–2007 में एन ए एम एस द्वारा "अचंत लक्ष्मीपति ओरेशन" पुरस्कार, एन ए एम एस तथा एन ए एस आई की फेलोशिप, वर्ष 2012 में डी एम ए द्वारा द के एल विग ओरेशॅन पुरस्कार, वर्ष 2015 में एन आई एम एस, हैदराबाद से वीरा राघव रेड्डी ओरेशॅन पुरस्कार तथा वर्ष 2015 में ही आंध्र मेडिकल कॉलेज द्वारा एण्डोमेंट ओरेशॅन पुरस्कार से विभूषित किया गया।

Prof. M.V. Padma Srivastava

Prof. M.V. Padma Srivastava is the Professor and Head Unit II in the department of Neurology at the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi. She is widely recognized across India and world for her role in improving the stroke care services in India and for her pioneering work on stem cell / restorative/ rehabilitative therapies after stroke.

2. Born on March 7, 1963 Prof. Padma received her Bachelor of Medicine and Surgery degree from Osmania University in 1985, MD in Medicine in 1990 and DM in Neurology in 1993 from AIIMS, New Delhi. She joined as faculty in Department of Neurology at AIIMS from 1993. She established the Hyperacute Thrombolysis for Acute Ischemic Stroke Program in AIIMS. AIIMS is the first public sector hospital to launch this program. She is actively involved with the Stroke Unit, Stroke Clinic and a Comprehensive Stroke Program. She is the National Co-ordinator for the SITS-NEW registry for safe implementation of Thrombolysis in acute ischemic stroke in developing countries, National Co-ordinator for the SITS-SEARS for the South-East Asian countries, Member for the National Commission for prevention of Cardiovascular Disorders, Diabetes and Stroke, and the Member for the National Commission for Non-communicable Diseases. She is on the executive board for the Indian Stroke Association, and has also been the Past President of ISA.

3. As President of the Indian Stroke Association, Prof. Padma has designed and enacted the mandate and addressed issues of paramount importance on stroke burden in our society; what is "unique to India" as regards the age of occurrence (stroke in young); the risk factors; stroke in pregnancy; the atherosclerotic pattern; the stroke mortality; outcomes and recurrence and most importantly the management strategies including treatment and prevention best suited to Indian infrastructure and economy. She has mentored the Stroke Program for the state of Himachal Pradesh. She has conducted with support of NCD of state, physician training programs in Himachal Pradesh, UP, and Rajasthan. Using smart phones and Whatsapp technology, she has been able to successfully launch and run "telestroke" services in state of Himachal Pradesh, in which acute stroke thrombolysis is being done by trained physicians in district level hospitals free of cost to patients. Similar ventures are in various stages of start-up in other states across India along with the support of NCD and NPCDCS, Govt. of India.

4. Prof. Padma has more than 160 papers in peer reviewed high impact journals besides authoring several books including the latest edition on Multiple Sclerosis. She has done pioneering work in the field of stem cells in patients with Stroke. She has been running the Neurology outpatient services in the district hospital of Leh, Ladakh for the last twelve years.

5. Prof. Padma is the recipient of numerous awards, distinctions and honours. She has been awarded the "Vimla Virmani Oration" for outstanding work in the field of Neurorehabilitation for the year 1998-1999, by the National Academy of Medical Sciences, awarded the "Achanta Laxmipathy Oration" by the NAMS for the year 2006-2007, awarded the Fellowship to NAMS and NASI, the K.L. Wig Oration by the DMA for the year 2012, Veera Raghava Reddy Oration from NIMS, Hyderabad in 2015, Endowment Oration by Andhra Medical College, 2015.